



मीठी क्रांति

//



मीठी क्रांति (Sweet Revolution)



भारत में मधुमक्खी पालन (एपीकल्चर)

- मधुमक्खी पालन (Apiculture) को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी पहल
- खादी और ग्रामोद्योग आयोग (MSME मंत्रालय) के तहत वर्ष 2016 में शुरू
- इसी की तर्ज पर वर्ष 2017 में हनी मिशन शुरू किया गया था

● मधुमक्खी पालन

- एकीकृत कृषि प्रणाली (IFS) के एक भाग के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों/भूमिहीन मजदूरों द्वारा की जाने वाली कृषि आधारित गतिविधि

● महत्त्व

- फसलों के परागण में उपयोगी
- किसानों की आय में वृद्धि
- मधुमक्खी के छत्ते से प्राप्त बहुमूल्य उत्पाद- शहद, मोम, मधुमक्खी पराग आदि।

● विश्व मधुमक्खी दिवस

- 20 मई



राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन (National Beekeeping and Honey Mission & NBHM)

परिचय

- केंद्रीय क्षेत्र की योजना
- आत्मनिर्भर भारत योजना के एक हिस्से के रूप में इसकी घोषणा की गई (वर्ष 2020-21 से 2022-23 के लिये)
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा क्रियान्वित



उद्देश्य

- 'मीठी क्रांति' के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन का विकास
- कृषि/बागवानी उत्पादन में वृद्धि करना
- एकीकृत मधुमक्खी पालन विकास केंद्र (IDBC), एपी-थेरेपी सेंटर और मधुमक्खी रोग निदान प्रयोगशाला की स्थापना
- मधुमक्खी पालन के जरिये महिला सशक्तीकरण



PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/sweet-revolution-3>

